बिहार में भ्रष्टाचार पर तमाम अंकुश लगाने की कवायद के बाद भी फला फूला है तबादला उद्योग, ताजा उदाहरण बिहार राजस्व और भूमि सुधार विभाग में 400 अधिकारियों के तबादले पर रोक

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के कोरोना संक्रमित होने का खतरा, एमएलसी सुनील सिंह की लापरवाही राबड़ी और तेजस्वी को भी पड़ सकती है भारी

एक साथ 15 महिलाओं को नियुक्ति पत्र देकर महिला सशक्तिकरण को चरितार्थ किया है ब्रावो के चेयरमैन राकेश पांडेय ने : जिलाधिकारी

लॉकडाउन की वजह से अपने-अपने गांव वापस गए मजदूर अब दोबारा दिल्ली लौटे

युवराज न्यूज़ टुडे

RNI:- BIHHIN05409

NEWS TODAY Update

www.newstodayupdate.in

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

आपकी आवाज़

वर्ष : 06 अंक : 13+06 तिथि : 06 जुलाई 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मथिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाऊन स्पेशल रोजाना अंक

बिहार में भ्रष्टाचार पर तमाम अंकुश लगाने की कवायद के बाद भी फला फूला है तबादला उद्योग, ताजा उदाहरण बिहार राजस्व और भूमि सुधार विभाग में 400 अधिकारियों के तबादले पर रोक

न्यूज टुडे एक्सक्लूसिव :

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

बिहार में तबादला एक उद्योग है, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में उनके भ्रष्टाचार पर तमाम अंकुश लगाने की कवायद के बाद भी फला फूला है. ऐसे ही एक ताजा उदाहरण में बिहार राजस्व और भूमि सुधार विभाग में 400 अधिकारियों का तबादला भ्रष्टाचार और अनियमितता की शिकायत पर रोक दिया गया है.

बिहार के मुख्य सचिव दीपक कुमार के अनुसार इन तबादलों में बिहार कार्यपालिका नियमावली के नियमो का उल्लंघन प्रतीत होता है लिहाजा इन तबादलों की संचिका को मुख्यमंत्री के पास समीक्षा के लिए भेजा जा रहा है. वहीं विभाग के अधिकारियों का मानना हैं कि इस सूची में कई गलतियां और खामियां हैं. जैसे कई ऐसे अधिकारियों का तबादला कर दिया गया जिन्होंने अपने जगह पर तीन साल का समय पूरा नहीं किया था.

इसके अलावा जिन अधिकारियों का तबादला 27 जून को ठकिया गया था तीन दिन बाद उसी सूची से आठ सीओ अधिकारियों का तबादला रद्द कर दिया गया. इस विभाग के मंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता रामनारायण मंडल हैं और ऐसा कहा जा रहा है कि सब कुछ उनके निर्देश और देख रेख में हुआ है क्योंकि विभाग के प्रधान सचिव विवेक सिंह की एक कड़क और ईमानदार अधिकारी की छवि है. वहीं चुनाव के आखिरी मौक़े पर इस विवाद से विपक्ष को एक बैठे–बिठाए एक मुद्दा मिल गया है.

अब देखना ये है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी समीक्षा में क्या एक बार फिर बीजेपी के दबाव में इस सूची को हरी झंडी देते हैं या इन तबादलों के मामलों को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं. बता दें कि कुछ महीने पहले नीतीश कुमार ने, स्वास्थ्यमंत्री मंगल पांडेय के दबाव में तेज तर्रार और ईमानदार छवि वाले प्रधान सचिव संजय कुमार का तबादला कर दिया था.

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के कोरोना संक्रमित होने का खतरा, एमएलसी सुनील सिंह की लापरवाही राबड़ी और तेजस्वी को भी भारी पड़ सकती है

लापरवाही

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

बिहार के सियासी गलियारे में कोरोना संक्रमण फैलने के बाद अब आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के ऊपर भी संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। लालू यादव को उनकी ही पार्टी के नवनिर्वाचित विधान पार्षद सुनील सिंह ने खतरे में डाल दिया है। एमएलसी सुनील सिंह की लापरवाही लालू यादव के लिए भारी पड़ सकती है। बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद सियासी गलियारे में हड़कंप है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऊपर संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है लेकिन बिहार से दूर रांची के रिम्स में इलाज करा रहे आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव भी संक्रमण के खतरे से दूर नहीं हैं।

दरअसल आरजेडी के नवनिर्वाचित विधान पार्षद सुनील कुमार सिंह ने 1 जुलाई को सदस्यता की शपथ लेने के बाद 2 जुलाई के दिन में रांची पहुंचे थे रांची पहुंच कर उन्होंने रिम्स में इलाज रहते लालू यादव से मुलाकात की थी। सुनील कुमार सिंह लगभग 2 घंटे तक लालू यादव के साथ थे। अवधेश नारायण सिंह ने इन सभी सदस्यों को विधान परिषद की सदस्यता की शपथ दिलाई थी। उसके पहले भी सुनील सिंह ने अवधेश नारायण सिंह से 29 जून को शिष्टाचार मुलाकात किया था और बाद में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ–साथ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से भी मुलाकात की।

सुनील सिंह ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मुलाकात वाली तस्वीरें को साझा किया है. सबसे हैरत की बात यह है कि विधान परिषद में जीत का सर्टिफिकेट लेने से लेकर सभापति अवधेश नारायण सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात के दौरान सुनील सिंह ने मास्क नहीं लगाया। परिषद सभापति अवधेश नारायण सिंह से मुलाकात के बाद एमएलसी सुनील सिंह ने राबड़ी देवी तेजस्वी यादव लालू यादव के साथ–साथ आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह से भी मुलाकात की। इन सभी मुलाकातों के दौरान सुनील सिंह और साथ ही साथ उनके साथ मौजूद अन्य नेता बिना मास्क के देखे गए।

NEWS TODAY Update newstodayupdate.in Web News Portal: www.newstodayupdate.in | न्यूज टुडे राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका | Yuvaraj Media & Entertainment An Ideal Film Production

बस एक क्लिक कीजिए

देश दुनिया की खबर के साथ अपनी खबर भी देखिए

www.newstodayupdate.in

A Fast Growing Web News Portal

Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

लॉकडाउन की वजह से अपने-अपने गांव वापस गए मजदूर अब दोबारा दिल्ली लौटे

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

कोरोना वायरस के चलते पूरे देश भर से श्रमिक मजदूरों का पलायन हुआ था. दिल्ली, मुबई, कोलकता, और चेन्नई जैसे महानगरों के अलावा अन्य शहरों में कमाने वाले श्रमिक मजदूर लॉकडाउन लगने के कारण पैदल ही अपने गांव चले गए थे. हालांकि, बाद में केंद्र सरकार ने श्रमिक मजदूरों को घर तक भेजने के लिए श्रमिक स्पेशन ट्रेनें भी चलाई थीं. लेकिन इसके बावजूद भी लाखों मजदूर पैदल और अन्य मालवाहक वाहनों में छिपकर अपने–अपने प्रदेश चले गए थे. इस दौरान कई मजदूर सड़क दुर्घटना के शिकार भी हो गए थे.

लेकिन अब देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक अच्छी बात सामने आई है. जो मजदूर लॉकडाउन की वजह से अपने–अने गांव वापस चले गए थे, वे अब दोबारा दिल्ली लौट रहे हैं. इन मजदूरों की भीड़ को बस डिपो पर देखा जा सकता है. एक प्रवासी मजदूर ने बताया कि वह फर्रुखाबाद (यूपी) का रहने वाला है . उसने कहा कि उसे नौकरी देने वाले ने फोन किया गया था. इसलिए वह अपने गांव से दिल्ली आया है.

किसी को घर से बाहर निकलने पर मनाही थी

बता दें कि कोरोना वायरस के चलते बीते 24 मार्च को अचानक पूरे देश में एक साथ संपूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया था. इसके बाद पूरे देश में अस्पताल, किराना दुकान, सब्जी दुकान और दवाई दुकान को छोड़कर सारी चीजें बंद हो गई थीं. सारे कल कारखाने और फैक्ट्रियां भी बंद हो गई थीं. यातायात पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था. किसी को घर से बाहर निकलने पर मनाही थी. लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर केस हो रहा था.

स्थिति पहले की तरह सामान्य हो गई है

ऐसे में फैक्ट्रियां बंद होने से उसमें काम करने वाले मजदूर बेरोजगार हो गए थे. उन्हें खाने के लाले पड़ गए थे. इसके बाद पूरे देश भर के शहरों से प्रवासी मजदूर पैदल ही अपने–अपने गांव के लिए चल दिए थे. उनमें सबसे ज्यादा मजदूर बिहार और उत्तर प्रदेश के होते थे. लेकिन अब तीन महीने बाद फिर से स्थिति पहले की तरह सामान्य हो गई है. सारे मार्केट्स और अधिकांश कल–कारखाने खुल गए हैं. यही वजह है कि मजूदर फिर से दिल्ली को आ रहे हैं.

एक साथ 15 महिलाओं को नियुक्ति पत्र देकर महिला सशक्तिकरण को चरितार्थ किया है ब्रावो के चेयरमैन राकेश पांडेय ने : जिलाधिकारी

अनुकरणीय पहल

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

ब्रावो फाउंडेशन, ब्रावो फार्मा व श्रम संसाधन विभाग जिला नियोजनालय के संयुक्त प्रयास से सोमवार को समाहरणालय स्थित राधाकृष्ण भवन में जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने 15 महिलाओं(मास्क एवम प्रोटेक्टिव गियर) के साथ दो पुरुष (सेल्स एंड मार्केटिंग) के अभ्यर्थियों को ब्रावो फाउंडेशन में योगदान करने के लिए नियुक्त पत्र प्रदान किये। ये सभी चयनित उमीदवार 15 जुलाई को ब्रावो फाउंडेशन के स्थानीय कार्यालय में योगदान करेंगे।

चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के पश्चात शुभकामनाएं देते हुए जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने ब्रावो फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी श्री शीर्षत ने कहा कि एक साथ 15 महिलाओं को नियुक्ति पत्र देकर महिला सशक्तिकरण को चरितार्थ किया है ब्रावो के चेयरमैन राकेश पांडेय ने। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन व फार्मा कुल 111 प्रवासियों को रोजगार देने का काम कर रहा है उसी कड़ी में सोमवार को पहले दो ट्रेड के लिए 17 लोगों को नियुक्ति पत्र दिया गया है बाकी ट्रेड की प्रक्रिया भी जल्द से जल्द पूरी कर ली जाएगी।

ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक सह ब्रावो फार्मा के चेयरमैन राकेश पांडेय ने सोमवार को ब्रावो फाउंडेशन के लिए नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले चुनमुन कुमारी, पूजा कुमारी, पिंकी कुमारी, नजदा खातून, काजल कुमारी, करुणा कुमारी, जया कुमारी, पम्मी कुमारी, लिप्सी कुमारी, नेहा कुमारी, सोनी कुमारी, रिभा कुमारी, संजू कुमारी, बबिता कुमारी, अजिना खातून, अविनाश पाठक व अखिल पराशर को शुभकामनाएं देते हुए लंदन से बताया कि ब्रावो फाउंडेशन हमेशा से ही चम्पारण में रोजगार सृजन की बात करता रहा है और रोजगार सृजन की दिशा में काम भी करता रहा है। श्री पांडेय ने आगे कहा कि फिलहाल कुल 111 लोगों को रोजगार मुहैया कराना है जिसमे से 17 लोगों को सोमवार को नियुक्ति पत्र जिलाधिकारी महोदय के द्वारा दिया गया है बाकी लोगों को भी जल्द से जल्द जरूरी प्रक्रिया पूरी कर नियुक्त कर दिया जाएगा।

मौके पर मौजूद ब्रावो फाउंडेशन के प्रवक्ता शैलेन्द्र मिश्र बाबा ने बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना के कारण बहुत से प्रवासी बेरोजगार हो गए हैं जिन्हें रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य से ब्रावो फाउंडेशन, ब्रावो फार्मा व श्रम संसाधन विभाग जिला नियोजनालय ने संयुक्त रूप से विगत 24 जून को नगर भवन के प्रसाल में रोजगार मेला का आयोजन कर 19 ट्रेड के 111 रिक्तियों के लिए आवेदन पत्र अभ्यर्थियों से लिये थे जिसमें काफी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे।

Yuvaraj Media & Entertainment

बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:

Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

वर्ष : 06 | अंक : 13+06 | न्यूज़ टुडे | पृष्ठ संख्या : 02 | तिथि : 06 जुलाई 2020

भारत के प्रसिद्ध शिव मंदिर, जिनके दर्शन मात्र से ही हो जाते हैं सारे काम

अध्यात्म

रिंकू गिरी,
संवाददाता

भारत में कई प्रसिद्ध शिव मंदिर हैं जिनके दर्शन मात्र से ही सारे काम हो जाते हैं। यहां दर्शन करने से सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और हर प्रकार की सुख–समृद्धि प्राप्त होती है।

केदारनाथ मंदिर

केदारनाथ मंदिर, उत्तराखंड– हिमालय की गोद में स्थित केदारनाथ भी बारह ज्योतिर्लिगों में से एक है। साथ ही इसे चार धाम और पंच केदार में भी एक माना जाता है। पत्थरों से बने कत्यूरी शैली से बने इस मन्दिर को पांडव वंश के जनमेजय ने कराया था। लिंगराज मंदिर यह मंदिर भारत के ओडिशा प्रांत की राजधानी भुवनेश्वर में स्थित है। यह मंदिर प्राचीन मंदिरों में से एक माना जाता है।

अमरनाथ गुफा

अमरनाथ भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है। अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है क्योंकि यहीं पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

घृष्णेश्वर

घृष्णेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक घृष्णेश्वर महादेव मंदिर है। यह अंतिम ज्योर्तिलिंग माना जाता है। यहां दर्शन करने से सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और हर प्रकार की सुख–समृद्धि प्राप्त होती है।

महाकालेश्वर मंदिर

महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन भगवान शिव के 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक है। समय व मृत्यु के देवता के नाम से इन्हें जाना जाता है। महाकालेश्वर की प्रतिमा दक्षिणमुखी है। साथ ही यहां पर सिंहस्थ महाकुम्भ की शुरुआत 22 अप्रैल से शुरु होने वाला है।

वैद्यनाथ मन्दिर

वैद्यनाथ मन्दिर, देवघर बारह ज्योतिर्लिंग में एक ज्योतिर्लिंग का पुराणकालीन मन्दिर है जो भारतवर्ष के राज्य झारखंड में अतिप्रसिद्ध देवघर नामक स्थान पर अवस्थित है। पवित्र तीर्थ होने के कारण लोग इसे वैद्यनाथ धाम भी कहते हैं।

भीमाशंकर

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पूणे जिले में सह्याद्रि नामक पर्वत पर स्थित है। भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग को मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है।

त्रयम्बकेश्वर

त्रयम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग यह मन्दिर महाराष्ट्र–प्रांत के नासिक जिले में हैं यहां के निकटवर्ती ब्रह्म गिरि नामक पर्वत से गोदावरी नदी का उद्गम है। गौतम ऋषि तथा गोदावरी के प्रार्थनानुसार भगवान शिव इस स्थान में वास करने की कृपा की।

मुरुदेश्वर शिव मंदिर

मुरुदेश्वर शिव मंदिर, कर्नाटक यह मंदिर अरब सागर के तट पर तथा मे. गलोर से 165 किमी दूरी पर अरब सागर में स्थित है। यहां पर लगी मूर्ति विश्व की दूसरी सबसे बड़ी मूर्ति है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग है। नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के परिसर में भगवान शिव की ध्यान मुद्रा में एक बड़ी ही मनमोहक अति विशाल प्रतिमा है।

सोमनाथ मंदिर

सोमनाथ मंदिर, गुजरात इस शिव मंदिर को भी बारह ज्योतिर्लिंगो में से एक माना जाता है। यह मंदिर हिंदू धर्म के प्रमुख मंदिर में से एक है। ऋग्वेद के अनुसार इस मंदिर का निर्माण चंद्रदेव ने किया था।

काशी विश्वनाथ मंदिर

काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी काशी विश्वनाथ को बापह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। यह मंदिर वाराणसी जैसे पवित्र स्थल में स्थापित है। यहां बहती गंगा नदी और यहां पर भोलेनाथ के दर्शन मात्र से मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है।

रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग

रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग यह ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु राज्य के रामनाथपुर नामक स्थान में स्थित है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक होने के साथ–साथ यह स्थान हिंदुओं के चार धामों में से एक भी है।

पटना रेलवे स्टेशन एरिया के लगभग 16 एकड़ इलाके का कायाकल्प जल्द, प्रोजेक्ट तैयार होने के बाद रेलवे स्टेशन का इलाका भव्य रूप में नजर आएगा

उपलब्धि

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

पटना रेलवे स्टेशन एरिया के लगभग 16 एकड़ इलाके का कायाकल्प जल्द किया जाएगा। पटना स्मार्ट सिटी प्राइवेट लिमिटेड (पीएससीएल) की ओर से हाल में ही इस इलाके में बनने वाले भवनों का मॉडल जारी किया है। प्रोजेक्ट तैयार होने के बाद रेलवे स्टेशन का इलाका बिल्कुल भव्य रूप में नजर आएगा। प्रोजेक्ट पर पीएससीएल लगभग 211 करोड़ रुपये खर्च होने के अनुमान हैं। इस परियोजना के तहत इलाके में भवन के अलावा आधारभूत संरचना जिसमें रोड नेटवर्क, टैफिक मूवमेंट, ड्रेनेज, सीवरेज, वाटर सप्लाई, इलेक्ट्रिसिटी, स्ट्रीट लाइटिंग, लैंडस्कैप आदि विकसित किये जाएंगे। वहीं, ओपन एयर रेस्टोरेंट, फूड प्लाजा और पब्लिक प्लाजा भी होंगे। पटना जंक्शन इलाके में दो बड़े भवनों के अलावा हॉकर्स कॉम्प्लेक्स और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट इंटरचेंज स्टॉप पूरे इलाके को अत्याधुनिक लुक देंगे।

हॉकर कॉम्प्लेक्स में इस इलाके के हॉकरों को 'पुनर्वास' किया जा सकेगा। यह वेंडरों के लिए वन–स्टॉप शॉप की तर्ज पर काम करेगा। यहां लोकल क्रॉफ्टसमैन और वेंडरों को जगह मुहैया कराया जाएगा। यहां वेंडरों के कौशल अपग्रेडेशन का काम होगा। हस्तकला में लगे कारीगरों को इससे फायदा होगा और बाजार मुहैया होने से उनकी आमदनी भी बढ़ सकेगी। इस कॉम्प्लेक्स में सिर्फ ग्राउंड फ्लोर रहेगा। इसमें 365 दुकानों की व्यवस्था रहेगी। इसमें प्रवेश के लिए सात गेट होंगे। यहां बिजली खपत में से 50: हिस्सा व ऊर्जा से इकट्ठा होगा।

पटना स्टेशन इलाके में 'स्टेट ऑफ द आर्ट' स्मार्ट सिटी कॉम्प्लेक्स भवन बनेगा। इसमें मध्यम व बड़े आकार की 700 दुकानें होंगी। यहां ओपन एयर रेस्टोरेंट, फूड प्लाजा और पब्लिक प्लाजा भी होंगे। 13 हजार 964 वर्गमीटर में जी प्लस 4 आकार का भवन बनाया जाएगा। इसके बेसमेंट में पार्किंग होगी। इस भवन में न्यू मार्केट व स्टेशन इलाके में मौजूद दुकानों को तोड़ने पर विस्थापित दुकानदारों को समायोजित किया जाएगा। यहां प्रदर्शनी के लिए भी जगह होगी। इस इलाके को सिटी सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना है।

म्यूनिसिपल मार्केट भवन भी स्टेट ऑफ आर्ट के रूप में बनेगा। यहां तीन सौ दुकानें होंगी। इसमें सब्जी, फल, दूध और मांस विक्रेताओं को जगह मिलेगी। यह शहर के लोगों व फ्लोटिंग पॉपुलेशन के लिए बड़ा बाजार साबित होगा। बाजार में प्रवेश को पांच गेट होंगे। इनमें से चार गेट आम आदमी, जबकि एक दुकानों के सामान लोड–अनलोड़ के लिए होगा। यह जी प्लस वन तल का बनाया जाएगा। भवन का कुल बिल्ट अप एरिया 5164 वर्गमीटर होगा। भवन का ऊपरी भाग ट्रांसल्यूकेंट शीशा से ढंका रहेगा, ताकि वातावरण से बचाव हो सके।

मोतीझील में सफाई अभियान के दौरान डीएम ने कहा- वर्तमान परिपेक्ष में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के लिए ठोस उपाय जरूरी

अच्छी पहल

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

मोतिहारी डीएम शीर्षत कपिल अशोक के नेतृत्व में लगातार चौथे रविवार को मोतीझील में सफाई अभियान चला। सफाई अभियान का क्रियान्वयन रोइंग क्लब के निकट हुआ। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान परिपेक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के लिए ठोस उपाय किया जाना अति आवश्यक है। इस उद्देश्य के प्राप्ति हेतु जल जीवनहरियाली अभियान की शुरुआत की गई है। जिसके तहत पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाना है। साथ ही जल संरक्षण के उद्देश्य से सार्वजनिक जलस्रोतों का जीर्णोद्धार,वर्षा जल संचयन हेतु उपयुक्त संरचना का निर्माण आदि का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मोतीझील में जारी सफाई अभियान से पर्यावरण संतुलन एवं जल संरक्षण में मदद मिलेगी।

मोटरबोट से मोतीझील का फिर से लिया जायजा

जिलाधिकारी श्री शीर्षत ने मोटरबोट के माध्यम से मोतीझील का जायजा लिया एवं रोइंग क्लब का निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण को रोइंग क्लब के यथोचित संधारण के लिए अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। निरीक्षण क्रम में कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद को भी दिशा निर्देश दिए। वहीं सफाई अभियान में अपर समाहर्ता शशि शेखर चौधरी, अपर समाहर्ता(आपदा प्रबंधन) अनिल कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष अंजू देवी, सदर एसडीओ प्रिय रंजन राजू, विशेष कार्य पदाधिकारी आदित्य नारायण झा, जिला परिवहन पदाधिकारी अनुराग कौशल सिंह, वरीय उप समाहर्ता नितेश कुमार एवं दीपशिखा, कार्यक्रम पदाधिकारी(सर्व शिक्षा अभियान) राजकुमार शर्मा, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी बंजरिया, तुरकौलिया, मोतिहारी सदर, जिला मत्स्य पदाधिकारी, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पूरा मधुबनी कंटेनमेंट जोन घोषित होने के बाद शहर में लगा लाकडाउन, तीन दिनों तक बंद रहेगा शहर

सम्राट,
संवाददाता

पूरे मधुबनी शहर को कंटेनमेंट जोन घोषित करते हुए तीन दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। इस दौरान आवश्यक सेवाओं को छाड़कर सभी तरह की दुकानें बंद रहेंगी। यह फैसला डीएम डॉ. निलेश देवरे ने शहर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए लिया है।

फैसले के तहत शहर में दूध, सब्जी, दवाई और किराना की दुकानें ही खुली रहेंगी। किसी भी तरह की सवारी गाड़ी के परिचालन पर पूर्णतः रोक रहेगी। मालवाहक गाड़ियों को ही आने की इजाजत होगी। निजी गाड़ियां जो बाहर जाएंगी, उन्हें रामपट्टी होकर समिया ढाला होते हुए एनएच पर भेजा जाएगा। एसडीएम सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शहर में बीते तीन दिनों में कोरोना संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी हुई ह।

हालांकि, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। लेकिन, प्रशासन ने एतियात के तौर पर यह फैसला लिया है, ताकि संक्रमण नहीं फैल पाए। शहर में प्रेवश के सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग होगी। पुलिस के जवान और मैजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। शहर में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना मास्क पहने लोगों पर फाइन के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। शहर में देर शाम माइकिंग कर लोगों को जानकारी भी दी गयी।

तीन दिनों में 18 मामले निकले शहर में : मिली जानकारी के मुताबिक बीते तीन दिनों में शहर में कोरोना संक्रमित के 18 मामले बताए जा रहे हैं। इसके और बढ़ने की आशंका है। गिलेशन बाजार, लोहापट्टी, आरके कॉलेज रोड, सूरतगंज, जलधारी चौक, कीर्तन भवन रोड, भुआरा व पुलिस लाइन के निकट से संक्रमित मामले सामने आए हैं। गिलेशन बाजार में कोरोना मामले निकलने के बाद लोगों में दहशत है। मालूम हो कि यह मुख्य बाजार है। लोगों को डर सता रहा है कि हाल के दिनों में कई लोग इस बाजार में गए थे।

जिले में संक्रमितों की संख्या हुई 463

जानकारी के मुताबिक मधुबनी शहर सहित जिले में 5 से अधिक कंटेमेंट जोन बनाये गए हैं। इनमें बिस्फी, रहिका, मधेपुर, लौकही आदि शामिल हैं। शुक्रवार तक जिले में कुल 6029 लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गये थे। 4611 की रिपोर्ट नेगेटिव है। 463 पॉजिटिव मिले है। शेष का रिजल्ट आना बांकी है।मधुबनी के डीएम डॉ निलेश देवरे ने बताया कि शहर को कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। तीन दिनों तक आवश्यक सेवा छोड़कर सभी तरह की गतिविधि बंद रहेंगी। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वो मास्क पहनें। बहुत जरूरी हो तभी घर से निकलें। अभी की सावधानी से ही हम कोरोना को हरा सकते हैं।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830